



संक्षिप्त

समाचार

नशे के खिलाफ मानसकार को घेरने का बन गया प्लान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले नशे के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरने की तैयारी तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब के दौरे पर आएंगे। पिछले 21 दिनों में यह उनका दूसरी बार राज्य का दौरा होगा। इस दौरान शाह मानसा, संगरूर और गुरदासपुर जाएंगे और नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने वाले



परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह और बिक्रमजीत सिंह के परिवारों से मुलाकात करेंगे। शाह ने आरोप लगाया है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के संरक्षण में नशा तस्करों के खिलाफ आवाज उठाने वालों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पंजाब दौरे की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह उन परिवारों से मुलाकात करेंगे, जिन्होंने पंजाब में नशीले पदार्थों के बढ़ते कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। शाह के मुताबिक, वह 20 अक्टूबर को मानसा, संगरूर और गुरदासपुर का दौरा करेंगे। इस दौरान वह परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह और बिक्रमजीत सिंह के परिजनों से मिलेंगे। इन लोगों ने पंजाब में सिंथेटिक ड्रग्स की आसानी से उपलब्धता और नशे के कारोबार के खिलाफ आवाज उठाई थी। आवाजों को दबाने की कोशिशें कभी सफल नहीं होंगी।

एमपी में चंबल नदी पर अब बनेगा हैंगिंग ब्रिज

ग्वालियर (एजेंसी)। मुरैना और धोलपुर जिलों में किसानों का विरोध शांत होने के बाद अब 4,613 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे 88.4 किलोमीटर लंबे ग्वालियर-आगरा सिक्ससेलन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के सबसे बड़े आकर्षण चंबल नदी पर बनने वाले हैंगिंग ब्रिज का काम भी अब मुरैना के बसेया गांव के पास जोर-शोर से शुरू करा दिया गया है। शुरुआती योजना में इस हैंगिंग ब्रिज की लंबाई 600 मीटर तय की गई थी, लेकिन नदी के किनारे पिलर के लिए की



गई पाइल टेस्टिंग फेल होने के बाद अब डिजाइन में बदलाव किया गया है। नया ब्रिज अब मुरैना के बसेया गांव के पास तैयार किया जा रहा है और इसकी कुल लंबाई बढ़कर 1,600 मीटर हो गई है। हालांकि, नदी के ठीक ऊपर वाला मुख्य हिस्सा अब भी 600 मीटर का ही रहेगा, लेकिन नदी के दोनों छोर पर 500-500 मीटर के एलिवेटेड पहुंच मार्ग (एलिवेटेड अप्रोच रोड) तैयार किए जाएंगे। मुख्य हैंगिंग ब्रिज का बीच का स्लैब 300 मीटर और दोनों किनारों के स्लैब 150-150 मीटर के होंगे। चंबल अभयारण्य के पारिस्थितिकी तंत्र को ध्यान में रखते हुए इस निर्माण में विशेष सावधानी बरती जा रही है। नदी के भीतर कोई पिलर नहीं बनाया जाएगा, ताकि जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास पर निर्माण कार्य का असर कम से कम पड़े।

देश भर में आज रहेगी दशहरा पर्व की धूम



वाराणसी (एजेंसी)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा कल 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी तिथि 20 अक्टूबर की सुबह 9.10 बजे शुरू होकर 21 अक्टूबर

की सुबह 10 बजे तक रहेगी। हिंदू धर्म में यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का

वध कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित की थी। इस अवसर पर देशभर में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन किया जाता है। दिल्ली-एनसीआर में

धू-धूकर जलेंगे रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले

भी दशहरे के मौके पर कई जगहों पर भव्य आयोजन होते हैं, जहां रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। दशहरा के अवसर पर रावण दहन केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रामलीला, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों का भी प्रमुख हिस्सा है।

पर्व को लेकर देशभर में तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न शहरों में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले तैयार किए जा रहे हैं, जिनका दशमी के दिन दहन किया जाएगा।

मणिपुर के जंगल में तीन लोगों की हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव

रखकर प्रदर्शन किया। यह घटना इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं और तीन लोग अब भी लापता हैं। घटना कांगपोकपी के खोंगबाल सुनुरोक उयोक में हुई। यह इम्फाल ईस्ट के नोंगशुम गांव से कुछ मीटर की दूरी पर है। सोमवार सुबह करीब 7 बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35) और लैरेनलकपम इनाओबी (51) के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वे लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे।



जल्द बढ़ेगी आपके टेस्ट की 'मिठास', चीनी होगी सस्ती!

● एथनॉल पॉलिसी में सरकार ने किया बड़ा बदलाव



नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी की कीमतों पर नियंत्रण एवं घरेलू बाजार में उपलब्धता बनाए रखने के लिए सरकार ने एथनॉल खरीद की नीति में बदलाव किया है। सरकारी तेल कंपनियां गन्ने के रस, चीनी के सिरप एवं बी-हेवी शीरे से बने एथनॉल की खरीद नहीं कर सकेंगी। सरकार का उद्देश्य गन्ने का ज्यादा हिस्सा चीनी उत्पादन के लिए उपलब्ध कराना है। पिछले वर्ष 29 लाख टन चीनी का इस्तेमाल एथनॉल बनाने में किया गया था। एक महीने में चीनी के भाव में बहुत तेज वृद्धि हुई है। तेल विपणन कंपनियों ने दो दिन पहले 1100 करोड़ लीटर एथनॉल खरीदने की निविदा जारी की है, जिसमें गन्ने के रस, चीनी के सिरप और बी-हेवी शीरे से बने एथनॉल खरीद के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं, जबकि मक्का, टूटा अनाज की खरीद का रास्ता खुला रखा गया है।

कच्चे तेल से निर्भरता हटाने के लिए एथनॉल नीति

पिछले कई वर्षों से पेट्रोल में एथनॉल मिलाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटे और विदेशी मुद्रा की बचत हो। ऐसे में चीनी उत्पादन के लिए गन्ना बचाने के साथ ही एथनॉल की आपूर्ति बनाए रखना भी जरूरी होगा। हालांकि अनाज आधारित एथनॉल की आपूर्ति बढ़ाना भी खतरों से खाली नहीं होगा। मक्का और चावल की मांग बढ़ने पर खाद्य सुरक्षा एवं पशुचारे की उपलब्धता पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए अनाज का इस्तेमाल बढ़ेगा।

प्रदेश के नए राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ



देहरादून। उत्तराखंड के नवनिযুক্ত राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ले ली है। लोक भवन में आयोजित समारोह में उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राष्ट्रपति की ओर से जारी नियुक्ति अधिपत्र पढ़ा।

डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने उत्तराखंड के नौवें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के पिपरिया में 14 मई 1952 को जन्मे डॉ. ढाल सिंह बिसेन चिकित्सक और कृषक हैं। वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रहे हैं और मध्य प्रदेश की राजनीति में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वह

1990 से 2008 के बीच चार बार मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार में वन, परिवहन एवं खनिज तथा स्कूल शिक्षा एवं जेल विभागों के कैबिनेट मंत्री के रूप में भी काम किया। मई 2019 में वह 17वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। लोक भवन पहुंचने पर राज्यपाल का सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल केके शुक्ला, सचिव प्रोटेक्टोर्नल विनोद कुमार सुमन, मंडलायुक्त गढ़वाल आनंद स्वरूप, आईजी विम्पी सचदेवा रामन और अपर सचिव रीना जोशी सहित अन्य अधिकारियों ने स्वागत किया। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने 12 अक्तूबर को

शपथ ग्रहण के बाद बोले राज्यपाल बिसेन, नई उम्माइयों तक ले जाएंगे प्रदेश का विकास

देहरादून। शपथ ग्रहण के बाद पत्रकारों से बातों में राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा केदार के प्रांगण से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। इसी विजन को साकार करते हुए हमें इस प्रदेश के विकास की गति को निरंतर आगे बढ़ाते हुए नई उम्माइयों तक ले जाना है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं बल्कि हमारी आस्था और संस्कृति का केंद्र है। यह बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री जैसे पावन चारधाम की भूमि है। यहां आदि कैलाश और जागेश्वर धाम जैसे अलौकिक एवं पवित्र स्थल भी विद्यमान हैं। यह भूमि अपने अद्वितीय पर्यटन स्थलों के लिए विश्वविख्यात है। उन्होंने कहा कि देवभूमि के साथ ही यह प्रदेश वीरभूमि भी है। यहां लगभग प्रत्येक परिवार से कोई न कोई सदस्य देश की रक्षा के लिए सेना में अपनी सेवाएं देता है। इस प्रदेश की मातृशक्ति अद्भुत रूप से सशक्त एवं प्रेरणादायी है। यहां के युवा, किसान और समस्त समाज अत्यंत कर्मठ एवं मजबूत हैं। यही कारण है कि आज उत्तराखंड विकास के विभिन्न पांवदानों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

डॉ. बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया था। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) का स्थान लिया।

युद्ध में एआई प्रणालियों का बढ़ेगा इस्तेमाल

● नौसेना के उप प्रमुख ने बताया रोडमैप, समुद्री सुरक्षा पर जोर



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना हवा, समुद्र, पानी के भीतर संचालन से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम तकनीक तक सभी क्षेत्रों में विकास पर

जोर दे रही है। इसका उद्देश्य नौसेना को एक बहुआयामी नेटवर्क आधारित सैन्य बल के रूप में तैयार करना है। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर ने सोमवार को यह जानकारी दी। नई

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कोचर ने कहा कि नौसेना केवल नई तकनीक अपनाने पर ही काम नहीं कर रही, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रही है कि तकनीक जरूरी है।

पश्चिम एशिया संकट पर भी रखी नजर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और समुद्री हितों की सुरक्षा में नौसेना की भूमिका से जुड़े सवाल पर कोचर ने कहा कि मौजूदा संकटों के कारण नौसेना की सोच और तैनाती, दोनों स्तरों पर गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने नौसेना के ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, इस अभियान के तहत महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर हमलों के बीच कई जहाजों को सुरक्षित भारतीय तटों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी विजयदशमी व दशहरा पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं

देहरादून मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को विजयदशमी व दशहरा पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विजयदशमी की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयदशमी का पर्व अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपने भीतर की बुराइयों को त्यागकर जीवन में सदाचार की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने जीवन में अहंकार से मुक्त होकर सच्चाई के रास्ते पर चलें और प्रदेश व देश की सामाजिक समरसता के लिए मिलजुल कर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पावन पर्व हमें इस बात का भी स्मरण कराता है कि सच्चाई का साथ देने वालों की हमेशा जीत होती है। इस पावन पर्व पर भावान श्रीराम की शिक्षाओं को आत्मसात कर जीवन को सार्थक बनाने की प्रदेशवासियों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि, धर्म और सत्य की विजय के इस मंगल पर्व पर प्रभु श्रीराम से यही प्रार्थना है कि सब सुखी हो, सबका कल्याण हो, हर घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आये।

नेपाल भागने वाले थे टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के आरोपी

कोटा से पकड़े गए, एक बिहार और 2 हरियाणा के रहने वाले

लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने कॉन्ट्रैक्ट दिया, पुलिस ने दबोचा



मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले हमलावर 15 घंटे में राजस्थान के कोटा से रेलवे स्टेशन से पकड़े गए। टाइगर पर रविवार देर रात 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते

नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सुबह 10.30 बजे रेलवे स्टेशन से पकड़ा। कोटा की एसपी तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे।

3 में से एक आरोपी नाबालिग

राजस्थान पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए तीनों सदियों में दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। इनमें हरियाणा के सोनीपत का रेहान और बिहार के बेगूसराय का ऋतिक कुमार उर्फ रोशन शामिल हैं। तीसरा आरोपी नाबालिग बताया गया है। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर हमले की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आरोपी करीब 10 दिनों से टाइगर श्रॉफ पर नजर रख रहे थे। उन्होंने उनके घर और जिम की भी रेकी की थी।

पराली पर पहरा, फिर भी धधक रहे खेत

● दावों के विपरीत पिछले साल का तोड़ा रिकार्ड ● 2025 में इसी अवधि में हुई थी 208 घटनाएं

पटियाला (एजेंसी)। पराली न जलाने के लिए किसानों को जागरूक करने से लेकर जुर्माना लगाने, एफआईआर दर्ज करने और खेतों की निगरानी के लिए हजारों अधिकारियों की तैनाती तक, पंजाब सरकार ने इस बार पूरा जोर लगा रखा है। खेतों में आग पर नजर रखने के लिए 125 ड्रोन तैनात करने की तैयारी है। पराली प्रबंधन के लिए मशीनों पर सब्सिडी दी जा रही है और गांव-गांव किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए समझाया जा रहा है। इसके बावजूद खेतों में आग लगने का सिलसिला थम नहीं रहा। सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की



खाई तरनतारन के कच्चा पक्का और भैणी मंसा सिंह जैसे गांवों में साफ दिखाई देती है, जहां दोपहर दो बजे भी खेतों में पराली खुलेआम जलाई जा रही है। धुएं के गुबार आसपास के गांवों और मुख्य सड़कों तक फैल रहे हैं। इससे हवा की गुणवत्ता बिगड़ने के साथ सड़क

हादसों का खतरा भी बढ़ रहा है। आंकड़े भी सरकारी प्रयासों के पूरी तरह कारगर न होने की गवाही दे रहे हैं। पंजाब में 15 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पराली जलाने की 220 सक्रिय घटनाएं दर्ज की गईं। पिछले साल इसी अवधि में 208 घटनाएं सामने आई थीं।

पंजाब में पराली जलाने की 29 सक्रिय घटनाएं दर्ज

17 अक्टूबर को ही पंजाब में पराली जलाने की 29 सक्रिय घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले साल इसी तारीख को 20 और 2024 में 77 मामले सामने आए थे। एक दिन में पिछले साल के मुकाबले नौ अधिक घटनाएं दर्ज होना बताता है कि कटाई के इस दौर में आग की घटनाओं को रोकना आसान नहीं है। उस दिन तरनतारन में 23, अमृतसर में तीन और फिरोजपुर, लुधियाना व एसएस नगर में एक-एक सक्रिय घटना दर्ज की गईं। अन्य जिलों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। 15 सितंबर से 17 अक्टूबर तक फिरोजपुर में 10, गुरदासपुर और मुक्तसर में पांच-पांच, जालंधर, कपूरथला, मोगा और संगरूर में तीन-तीन घटनाएं दर्ज हुईं। फाजिल्का में दो, जबकि होशियारपुर, लुधियाना, एसबीएस नगर, एसएस नगर और फरीदकोट में एक-एक घटना सामने आई। बटिंडा, बरनाला, फतेहागढ़ साहिब, मानसा, पटानकोट, पटियाला, रुपनगर और मलेरकोटला में इस अवधि में कोई घटना दर्ज नहीं हुई।

संपादकीय

मर्यादा के पतन की राजनीति

भारत देश की राजनीति आज मर्यादाओं और नैतिकता के तार-तार होने का वह कम देख रही है जो आपसे पहले नहीं देखा गया। राजनीति का नैतिकता का ग्राफ इस प्रकार से गिर चुका है कि अब नेताओं की मां और बहनों को लक्ष्य किया जा रहा है और उनके अतीत और वर्तमान को लेकर अभद्र टिप्पणियां की जा रही है। निश्चित तौर पर जब मुद्दों का हल निकालने में जन्म नेता असफल साबित हो जाते हैं तभी ऐसा निम्न दर्जे कराजनीति का रूप देखने को मिलता है। राजनीति लोकतंत्र को दिशा देने, जनसमस्याओं को उठाने और समाज में स्वस्थ विचार-विमर्श की परंपरा विकसित करने का माध्यम है। लेकिन जब राजनीतिक विरोध विचारों, नीतियों और जनहित के मुद्दों से हटकर नेताओं के परिवारों, विशेषकर उनकी माताओं, बहनों, पत्नियों और बेटियों पर अभद्र टिप्पणियाँ करने तक पहुँच जाता है, तब यह केवल किसी एक व्यक्ति का अपमान नहीं रह जाता, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक मूल्यों पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। आलोचना और अपमान के बीच एक स्पष्ट अंतर है, जिसे समझना आवश्यक है। यदि किसी नेता की नीति गलत है, तो उस पर तथ्यात्मक सवाल उठाए जाने चाहिए। यदि उसके निर्णय से जनता को नुकसान हुआ है, तो उसका जवाब मांगा जाना चाहिए। मगर जब किसी नेता को घेरने के लिए उसके परिवार की महिलाओं के बारे में अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, तब सवाल उठता है कि क्या संबंधित राजनीतिक पक्ष के पास मुद्दों पर बहस करने के लिए पर्याप्त तर्क नहीं बचे हैं? किसी महिला का किसी राजनीतिक परिवार से संबंध होना उसे सार्वजनिक अपमान का पात्र नहीं बना देता। किसी के पति, पिता या भाई की राजनीतिक भूमिका के कारण उसे अपमानित करना न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। भारतीय समाज में महिलाओं के सम्मान की बात अक्सर मंचों से की जाती है। राजनीतिक दल महिला सशक्तीकरण, सुरक्षा, समानता और सम्मान के पक्ष में घोषणाएँ करते हैं। लेकिन जब राजनीतिक विवादों के दौरान इन्हीं मूल्यों की परीक्षा होती है, तब कई बार सार्वजनिक भाषा में गिरावट दिखाई देती है। महिला की गरिमा का मूल्य उसके राजनीतिक संबंधों से तय नहीं हो सकता। सम्मान का सिद्धांत सार्वभौमिक होना चाहिए—चाहे महिला किसी सत्ताधारी नेता की पत्नी हो, विपक्षी नेता की बेटी हो, किसी राजनीतिक कार्यकर्ता की बहन हो या राजनीति से उसका कोई संबंध ही न हो। विवादित और उत्तेजक टिप्पणियाँ अधिक चर्चा बटोरती हैं। परिणामस्वरूप कुछ लोग राजनीतिक विमर्श में संयमित भाषा की जगह ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जिनसे विवाद बढ़े और उन्हें तत्काल प्रचार मिले। असहमति के नाम पर अभद्रता का समर्थन करना स्वस्थ लोकतांत्रिक संस्कृति को कमजोर करता है। राजनीतिक दलों को यह तय करना होगा कि उनके लिए चुनावी लाभ अधिक महत्वपूर्ण है या सार्वजनिक जीवन की मर्यादा। यदि किसी नेता अथवा कार्यकर्ता द्वारा परिवार की महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की जाती है, तो दलों की प्रतिनित्रिया केवल विरोधी पक्ष के जवाब तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। चुनाव जीतने के लिए जनता का विश्वास अर्जित करना पड़ता है। यह विश्वास रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, विकास और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर काम करने से बनता है, न कि व्यक्तिगत अपमान के माध्यम से। श्रेष्ठता विरोधी को अपमानित करने में नहीं, बल्कि अपने तर्कों से उसे जवाब देने में है। इसलिए समय की मांग है कि राजनीतिक दल अपने आचरण की समीक्षा करें, नेता अपनी भाषा की जिम्मेदारी समझें और नागरिक भी ऐसी प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करने से बचें। राजनीति में विचारों की लड़ाई होनी चाहिए, परिवारों की गरिमा पर हमला नहीं।



प्रो. संजय द्विवेदी

कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है। लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने परंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और



सौरभ वर्णय

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहां हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मायानगरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में सरेआम गोलीबारी की घटनाएं सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर अनुरक्षा के साये में जाने लगा है?अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग यहां पहुंचे और अचानक टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोलियां चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के सुरक्षित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्शा चालक के घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है।यदि घटना से जुड़ी ये जानकारियां जांच में पुष्ट होती हैं, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारे की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, ऑटो चलाता है, टेक्सी में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है। किसी चर्चित अभिनेता की गाड़ी पर गोलीबारी होने से

खुद को आधा-अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था।

औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गईं। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने 'अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग' छोड़कर 'अंग्रेजियत की पगडंडियों' पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व की चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। 'स्व' के स्थान पर 'परकीय' विचारों की स्थापना के प्रयास खूब बढ़े। हम एक 'राष्ट्र' नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरसस्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टाइगर श्रॉफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकनी ही असामान्य नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्शा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियां चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिला जा चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे व्यक्तिगत रंजिश, अपराधिक गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तय है कि ऐसी घटनाओं को हलके में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत पहचाना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बढ़ी चाहिए। मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी

पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़पन के रूप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया। राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे 'विचारों की घर वापसी' कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करें। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकूल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विमर्ष बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाप संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझाप्रन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मताभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी 'शास्त्रार्थ' परंपरा है। इसलिए 'एक किताब, एक विचार, एक देवता' को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निःकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत कोद्वैत विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। 'स्वत्व' ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा

गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही गलत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे। भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसको एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में ह्रस्वबोधध्व का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करें। वह आत्मदैन्य से मुक्त होकर 'भारत' को 'भारत' (इंडिया नॉन) की नजर से देखना प्रारंभ करें। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक-सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र,पंथ की लड़ाइयों को छोड़कर भी बहुत सी विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं , फिर आख्यान (नरेटिव) गढ़े जाते हैं। भारत जिसे कभी 'इंडिया' बनाने की कोशिशें हुईं, उसे भारत बनाए रखने के लिए हमें ही आगे आना होगा। क्योंकि भारत का नष्ट होना, उस विचार का मिट जाना होगा, जिसने हमें 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश दिया। जिसने हमें राम, कृष्ण,शिव, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे नायक दिए। जिसने रसवै भवन्तु सुखितःन में अपनी मुक्ति देखी और लोक-मंगल जिसका मूलमंत्र रहा।

तरह-तरह के दावे और अपुष्ट जानकारियां प्रसारित होने लगती हैं। कभी किसी गिरोह का नाम उछाला जाता है, तो कभी बिना प्रमाण किसी बड़े पड़र्यंत्र की चर्चा होने लगती है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है और आम लोगों में बेवजह डर फैल सकता है।मीडिया की जिम्मेदारी है कि यह घटना की गंभीरता को सामने लाए, पुलिस से जवाबदेही मांगे और जनता को सही जानकारी दे। लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति या संगठन को दोषी ठहराना प्रचक्राति के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, मगर सवालों के जवाब तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर तलाशना उससे भी अधिक जरूरी है। मुंबई की पहचान उसकी जीवंतता, मेहनतकश लोगों और विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता से बनी है। किसी गोलीबारी की घटना से पूरे शहर को असुरक्षित घोषित करना उचित नहीं, लेकिन ऐसी वारताओं को सामान्य मान लेना भी खतरनाक है। शहर की आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक जीवन को निरर्थ बनाए रखने के लिए नागरिकों का भरोसा कायम रहना चाहिए।महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई निष्पक्ष, प्रभावी और समयबद्ध हो। फिल्मी सितारों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए, जो रोज सड़कों पर काम करते हैं और शहर की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं।टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर कथित गोलीबारी की घटना मुंबई के लिए एक गंभीर चेतावनी है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि शहर में अंडरवर्ल्ड का पुराना खौफ लौट आया है, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि अपराधियों के हासिल बंद? की किसी भी संभावना को समय रहते कैसे रोका जाए। पुलिस को जांच के जरिए सच्चाई सामने लानी होगी, अपराधियों को कानून के कटपरे में खड़ा करना होगा और जनता को सुरक्षा का भरोसा देना होगा। मुंबई को डर के साये में नहीं, विश्वास और सुरक्षा के वातावरण में आगे बढ़ े चाहिए। मायागरी की असली ताकत उसकी चमक-दमक नहीं, बल्कि उसके नागरिकों का साहस और कानून पर उनका भरोसा है। इस भरोसे को बनाए रखना ही शासन और पुलिस की सबसे बड़ी कसौटी है। ऐसी घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत



श्री. मोहन यादव

इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मर्यादा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करे। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं।

विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है। भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पीड़ितों के लिए आश्रवास और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मर्यादा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी सांस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है। विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निर्वल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित हो। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना हो यही इस परंपरा का संदेश है। मर्यादा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है। आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है।



अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शांतिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का संबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी दांचों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कोशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को साकार किया। यह

शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए। सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता

है। हमारे घरों का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर नारियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है। मध्यप्रदेश में सुशासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों को निरर्थ वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे—यही हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की वास्तविक कसौटी अंतिम पक्षि में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सहज सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है। विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तव्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को व्यवहार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति साझा समर्पण भारत को अजेय आत्मबल प्रदान करता है। आइए, इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मर्यादा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करे। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं। शक्ति से सुरक्षा, सामर्थ्य से समृद्धि और सत्य से विजय— इसी संकल्प के साथ भारत का गौरवशाली भविष्य गढ़ें। सभी प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं।



समस्त प्रदेशवासियों
एवं देशवासियों को
विजयादशमी
की
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

प्रिय प्रदेशवासियों,

आप सभी को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

यह पर्व मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें एक श्रेष्ठ समाज और महान राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देता है। आपके मुख्य सेवक के रूप में जनता की सेवा ही मेरे लिए प्रभु श्रीराम की सेवा है और उत्तराखण्ड का विकास ही मेरे लिए रामकाज है।

आइए, आज के पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाएंगे।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड



सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

किशोरियों को स्कूल वैन की सुविधा मिलेगी



कोटद्वार में मालन नदी पर बने पुल का निरीक्षण करती जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया।

कण्वाश्रम में बनेगा भव्य प्रवेश द्वार, नेचर ट्रेल विकसित करने की भी योजना
जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कोटद्वार में किशोरी संप्रेक्षण गृह, डे केयर सेंटर और सड़क मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किशोरियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास से जुड़ी सुविधाएं

बेहतर बनाने के निर्देश दिए। वहीं, पौराणिक कण्वाश्रम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए ऐतिहासिक सूचना पट्ट, भव्य प्रवेश द्वार और नेचर ट्रेल बनाने की योजना तैयार करने को कहा। सिम्मलचौड़ स्थित किशोरी संप्रेक्षण गृह में जिलाधिकारी ने किशोरियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और जरूरतें जानीं। उन्होंने आलंबन परियोजना के तहत चल रहे 10 दिवसीय ऐपन और

सड़क मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता पर जोर
जिलाधिकारी ने देवी रोड स्थित मालन पुल-छिड़ी कॉलेज-मवाकोट मार्ग पर चल रहे पैचवर्क कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिए। साथ ही दोष सुधार अवधि में चल रही सड़कों की नियमित निगरानी करने और खामियां मिलने पर समय से सुधार कराने को कहा।

कण्वाश्रम में विकसित होगी पर्यटन सुविधाएं
कण्वाश्रम के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने इसके ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को देखते हुए सुविधाओं के विकास पर जोर दिया। उन्होंने मंदिर के

भीमल आर्ट प्रशिक्षण का अवलोकन किया। भीमल के रेशे से तैयार कलाकृतियों को देखकर किशोरियों का उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी ने एक नवंबर से किशोरियों के लिए स्कूल वैन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्हें पौड़ी स्थित विज्ञान संग्रहालय और उपजिलाधिकारी कार्यालय का एक्सपोजर विजिट कराने को कहा। किशोरियों के लिए टेबल टेनिस की सुविधा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संप्रेक्षण

प्रवेश द्वार पर ऐतिहासिक जानकारी देने वाला एलईडी सूचना पट्ट लगाने और मंदिर मार्ग के विकास के लिए आगणन तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही आश्रम के प्रवेश द्वार पर भव्य गेट बनाने और नेचर ट्रेल विकसित करने की योजना तैयार करने को कहा, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी संदीप कुमार, तहसीलदार राजेंद्र सनवाल, जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार, लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता कपिल कुमार, वन विभाग के एसडीओ सुधीर कुमार और वन क्षेत्राधिकारी विपिन जोशी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गृह की रसोई, डाइट चार्ट, एक्टिविटी रूम और रिहैबिलिटेशन रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए महीने में कम से कम दो बार मेडिकल टीम भेजने और बिजली आपूर्ति बाधित होने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके बाद उन्होंने नवनिर्मित डे केयर सेंटर (ओपन शेल्टर) का निरीक्षण किया और फिनिशिंग का शेष कार्य जल्द पूरा कर केंद्र को शुरू करने के निर्देश दिए।

उमरैला गांव पहुंची डीएम, एक सप्ताह में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश

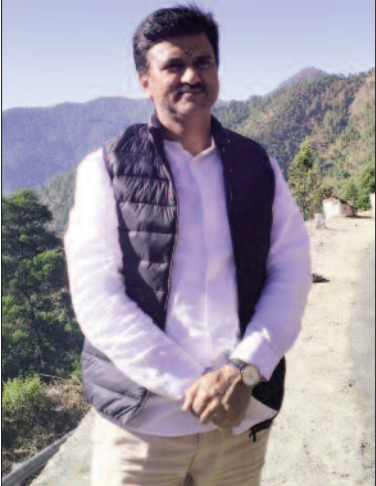
जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने दुगड्डा ब्लॉक के उमरैला गांव पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने गांव में एक सप्ताह के भीतर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने को कहा। साथ ही जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए। गांव पहुंचने पर ग्रामीण महिलाओं और बुजुर्गों ने पुष्प भेंट कर जिलाधिकारी का स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रखते हुए गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग की। इस पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया जाए, ताकि बुजुर्गों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए।

बीर सिंह और सुरेंद्र सिंह को छड़ी, मिमला देवी और बीर सिंह को कान की मशीन तथा अलीशा को व्हीलचेयर प्रदान की गईं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों की जरूरतों के अनुसार उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं, ताकि वे योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन को अधिक सुविधाजनक बना सकें।

पैतृक गांव कांडा पहुंचे दिल्ली भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. विनोद बछेली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: दिल्ली भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं डीपीएमआई संस्थान के चेयरमैन डॉ. विनोद बछेली अपने पैतृक गांव कांडा पहुंचे। यहां उन्होंने 17 से 19 अक्टूबर तक विकासखंड कोट की पट्टी सिलॉन्स्यू स्थित कुलदेवी मां जालंधरा मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय विशेष धार्मिक अनुष्ठान में परिवार सहित प्रतिभाग किया। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन मां जालंधरा शक्तिपीठ मंदिर सेवा समिति की ओर से किया गया।

तीन दिवसीय अनुष्ठान के दौरान गंगा स्नान, देवी का मंडाण, कीर्तन-भजन और पूजा-अर्चना सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। डॉ. बछेली ने कुलदेवी मां जालंधरा के दर्शन कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। डॉ. विनोद बछेली ने बताया कि वह हर एक-दो महीने में अपने पैतृक गांव अवश्य आते हैं। इसके



अलावा चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान भी मां जालंधरा मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते

हैं और कुलदेवी का आशीर्वाद लेते हैं। पौड़ी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. बछेली ने कहा कि तमाम व्यस्तताओं और परिस्थितियों के बावजूद अपनी मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस बार तीन दिवसीय प्रवास के दौरान पैतृक गांव में स्थानीय लोगों से संवाद करने और धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि गांव से उनकी जुड़ी जुड़ी हुई हैं। अपनी जन्मभूमि की मिट्टी और वहां की खुशबू उन्हें नई उर्जा प्रदान करती है। पैतृक गांव पहुंचकर लोगों के बीच समय बिताना और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े रहना उनके लिए विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर उनकी माता कमला देवी, पत्नी पूनम बछेली, बड़े भाई अशोक बछेली, छोटे भाई सुभाष बछेली, रमेश बछेली और कैलाश बछेली सहित समस्त बछेली परिवार एवं गांव के ग्रामीण मौजूद रहे।

एक नजर

एचएनबी गढ़वाल विवि का दीक्षांत समारोह एक दिसंबर को

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह एक दिसंबर को आयोजित होगा। समारोह में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों का ऑनलाइन पंजीकरण 23 अक्टूबर से शुरू होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 10 नवंबर निर्धारित की गई है। समारोह के लिए पंजीकरण शुल्क 1500 रुपये रखा गया है।

कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी की ओर से 18 अक्टूबर को जारी अधिसूचना के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों से स्नातकोत्तर (पीजी) की डिग्री के लिए सफल घोषित विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त कर सकेंगे इसके अलावा 20 नवंबर 2026 तक पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले और इस तिथि तक मौखिक परीक्षा (वाइवा-वॉइस) पूरी करने वाले शोधार्थी भी समारोह में शामिल होने के पात्र होंगे। सत्र 2025-26 के गोल्ड मेडलिस्ट को भी डिग्री के साथ पदक प्रदान किए जाएंगे।

सिलकवारा सुरंग के मुहाने पर बने बाबा बौखनाग का भव्य मंदिर

बड़कोट। यमुनोत्री हाईवे पर पौल गांव से सिलकवारा तक निर्माणाधीन सुरंग के बड़कोटे छोर पर क्षेत्र के आराध्य देव बाबा बौखनाग का मंदिर बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। यमुनोत्री धाम के प्रवेश द्वार बड़कोट में सुरंग के मुहाने पर मंदिर बनने से स्थानीय लोगों की आस्था को सम्मान मिलने के साथ ही यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भी बाबा के दर्शन का अवसर मिल सकेगा। क्षेत्रवासियों का मानना है कि सुरंग निर्माण से बड़कोट की अहमियत और बढ़ेगी। ऐसे में पौल गांव के समीप प्रवेश द्वार पर बाबा बौखनाग का मंदिर स्थापित होने से क्षेत्र की धार्मिक पहचान को नई मजबूती मिल सकती है। चारधाम यात्रा के दौरान इस मार्ग से गुजरने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह स्थल आस्था का केंद्र बन सकता है। इसी मांग को लेकर ग्राम भाटिया, बड़कोट स्थित बाबा बौखनाग देव समिति ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा है।

समिति ने सुरंग के प्रवेश द्वार पर मंदिर निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। समिति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पर्यटन विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्य बाजार में स्ट्रीट लाइट खराब, लोग हो रहे परेशान

उत्तरकाशी। शहर के मुख्य बाजार में स्ट्रीट लाइटों खराब होने के कारण शाम ढलते ही कई हिस्सों में अंधेरा हो रहा है। स्थानीय निवासियों के साथ ही बाजार में आने वाले पर्यटकों और राहगीरों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य बाजार में पानी की टंकी के पास लंबे समय से स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है लेकिन नगर पालिका प्रशासन की ओर से इन्हें ठीक कराने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासी सुधीर बिष्ट, सुरेश मटुवा, मान सिंह गुसाईं, विष्णुपाल रावत, अरुण बिष्ट और विश्वन परमार ने बताया कि मुख्य बाजार में पानी की टंकी के पास लगी स्ट्रीट लाइट पिछले कई सालों से बंद हैं। इस संबंध में कई बार नगर पालिका प्रशासन को शिकायत की जा चुकी है। लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। कहा कि रात के समय बाजार में पर्याप्त रोशनी नहीं होने से राहगीरों को आवाजाही में दिक्कत होती है।

वहीं, अंधेरे के कारण दुकानों और आसपास के क्षेत्र में चोरी की आशंका भी बनी रहती है। बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों और पर्यटकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से जल्द से जल्द खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने और बाजार में समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में नगर पालिका के अधिकांशी अधिकारी से पक्ष जानने के लिए फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

शोभा रावत को मिला शैलपुत्री सम्मान, देवी देवरानी भी सम्मानित

कोटद्वार। ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजलि समागम समिति (गेप्स) की ओर से दुर्गाष्टमी पर आयोजित समारोह में योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर शोभा रावत को शैलपुत्री सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। वहीं, महिला उत्थान के क्षेत्र में योगदान के लिए देवी देवरानी को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी सत्यनारायण नौटियाल ने दोनों को सम्मान पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए समिति की अध्यक्ष नीरजा गौड़ ने समाजसेवा के क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों से योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इस दौरान महिलाओं ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में सत्यनारायण नौटियाल के सम्मान में डॉ. चंद्रमोहन बड़ध्वाल ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया, जबकि शोभा रावत के सम्मान में रामभरोसा



आयोजित कार्यक्रम शोभा रावत को सम्मानित करते सदस्य

कंडवाल ने सम्मान पत्र पढ़ा। इस अवसर पर डॉ. रमाकांत कुकरेती, मनमोहन काला, डॉ. चंद्रमोहन बड़ध्वाल, प्रभा कंडवाल, रेखा ध्यानी, देवकी

रावत, कल्पना चौहान, राधा चौहान, सोनम भंडारी, सुबोध गौड़, महीधर प्रसाद केटवाल, जगत सिंह नेगी और दिनेश चौधरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

जीएमओयू के नए अध्यक्ष बने नवीन तिवारी, संचालक मंडल ने सर्वसम्मति से चुना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: गढ़वाल मोटर्स आनर्स यूनिन लिमिटेड (जीएमओयू) के संचालक मंडल ने नवीन तिवारी को कंपनी का नया अध्यक्ष चुना है। कंपनी सभागार में आयोजित संचालक मंडल की बैठक में सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगाई गई। इसके साथ ही कंपनी की विभिन्न उपसमितियों का भी गठन किया गया।बैठक में संचालक ताजवर सिंह ने अध्यक्ष पद के लिए नवीन तिवारी के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका अनुमोदन संचालक नितिन रावत ने किया।

इसके बाद संचालक मंडल ने सर्वसम्मति से नवीन तिवारी को अध्यक्ष चुना। उनके चयन पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता जताई। बैठक में विभिन्न उपसमितियों की जिम्मेदारियां भी तय की गईं। इसमें गणेश भट्ट को यातायात समिति, नितिन रावत को वित्त एवं स्टेशनरी समिति, ताजवर खत्री को पेट्रोल समिति तथा गजे सिंह रैथाना को भूमि, भवन एवं पर्यटन समिति का अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर कंपनी के जनरल मैनेजर विजयपाल सिंह नेगी, संचालक अर्जुन सिंह रावत, संजय कुमार बड़ध्वाल, गणेश कुमार जुयाल, विवेकानंद, पर्यटन अधिकारी अनिल बर्गाली, दीपक सिंह नेगी, सुनील कुमार, जीएमपी अध्यक्ष संदीप अग्रवाल और कर्मचारी यूनिन के अध्यक्ष गोपाल सिंह रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद ने 32 कन्याओं का पूजन कर कराया भोज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: भारत विकास परिषद की महिला विंग की ओर से रामनवमी के अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर एक में कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 32 बालिकाओं का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें हलवा, पूरी और छेले का भोजन कराया गया। साथ ही उपहार स्वरूप कॉपी और पेन्सिल भेंट कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद की प्रांतीय संयोजक मीनाक्षी शर्मा ने किया। इसके बाद कन्याओं का पूजन कर कन्या भोजन कराया गया। प्रांतीय संयोजक मीनाक्षी शर्मा ने नवरात्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्या पूजन की विशेष परंपरा है। नवरात्र में कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका विनीता ध्यानी, बीना मित्तल, रीता



कन्या पूजन करते परिषद के सदस्य

जखमोला, निधि गुप्ता, सीमा अग्रवाल, राजकमल माहेश्वरी, सुनीता अग्रवाल, सुनीता

ऐरन, वीना कुकरेती, रिकी अग्रवाल और सुधा ध्यानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सिद्धपीठ ढुंड प्रयाग को मिले नए महंत पर्वतगिरि महाराज

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: अलकनंदा तट पर त्रिवेणी संगम के समीप स्थित पौराणिक सिद्धपीठ ढुंड प्रयाग मंदिर को पर्वतगिरि महाराज के रूप में नया महंत मिल गया है। हरिद्वार के स्थित जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर वीरेंद्र गिरि संतों की टीम और छड़ी के साथ सिद्धपीठ पहुंचे। यहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार पर्वतगिरि महाराज को मंदिर में संतों ने धार्मिक रीति-रिवाजों मंदिर का उत्तराधिकारी घोषित किया गया। इसके बाद विधि-विधान से उनका पट्टाभिषेक संपन्न कराया गया। पट्टाभिषेक की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पर्वतगिरि महाराज को मंदिर की संपूर्ण जिम्मेदारी सौंप दी गई। अब वह सिद्धपीठ की धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के साथ ही

धार्मिक परंपराओं के अनुसार हुआ पट्टाभिषेक, मंदिर की जिम्मेदारी सौंपी

मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन करेंगे। ढुंड प्रयाग मंदिर को क्षेत्र के प्राचीन धार्मिक स्थलों में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। ऐसे में नए महंत की नियुक्ति को मंदिर की परंपराओं को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। पट्टाभिषेक समारोह में संतों ने धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए पर्वतगिरि महाराज को नई जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर महंत पुष्कर गिरि, पशुपति गिरि, रुद्रानंद सरस्वती, अमरीश पुरी, राहुल गिरि, तूफान गिरि, समुद्र गिरि, चट्टान गिरि, शिवानंद गिरि, सतीश आनंद गिरि और थानापति जगत गिरि सहित अन्य संत मौजूद रहे।

मोटर मार्ग पर गुलदार ने

गाय को मार डाला

उधर, खंडाह-भेलगढ़-जाख मोटर मार्ग पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे गुलदार ने एक गाय को मार डाला। जाख निवासी विवेक कुमार के अनुसार, दो से तीन गुलदारों ने गाय पर हमला कर दिया और उसे सड़क पर ही मार डाला। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक ने शोर मचाया, जिसके बाद गुलदार मौके से भाग गए। मृत गाय भेलगढ़ निवासी हरीश लाल की थी। लगातार गुलदार दिखाई देने और भेदविश्यों पर हमले की घटनाओं से क्षेत्र के ग्रामीणों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों को जंगल में घास और चारा लेने जाने के दौरान हमले का खतरा सता रहा है।

राज्य स्थापना दिवस की लॉटरी में स्थानीय उत्पाद बनेंगे पुरस्कार

उत्तरकाशी। राज्य स्थापना दिवस पर उत्तरकाशी में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन ने पहल की है। खरीद के लिए कोई निश्चित राशि निर्धारित नहीं की गई है। समूहों के पास उपलब्ध उत्पादों और वे जितनी मात्रा में बेच चाहें हैं उसी के अनुसार खरीद की जाएगी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्थापना दिवस के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और उत्पादकों की आय बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। रीप के परियोजना प्रबंधक कपिल उपाध्याय ने बताया कि लॉटरी के पुरस्कारों में मसाले, आटा, मंडुवा,

संक्षिप्त

समाचार

बेल्जियम में आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल

ब्रसेल्स , एजेंसी। प्रदर्शनों की आंच बेल्जियम तक भी पहुंची। राजधानी ब्रसेल्स में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। पुलिस का आरोप था कि प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर वस्तुएं फेंकीं और आमजनी की। राजधानी के पूर्व में स्थित लीज शहर में भी पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, पुलिस ने वहां प्रदर्शन में शामिल लोगों की संख्या का अनुमान नहीं बताया।

पुर्तगाल में महंगे मकानों और किराये के खिलाफ प्रदर्शन

लिस्बन , एजेंसी। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भी हजारों लोग बढ़ती जीवनयापन लागत, कम वेतन और बड़े शहरों में मकान खरीदने या किराये पर लेने में बढ़ती मुश्किलों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। रिपोर्ट के मुताबिक, पुर्तगाल में मकानों की कीमतें 2017 के बाद से दोगुने से अधिक हो चुकी हैं, जबकि नए किरायेदारी समझौतों के तहत किराये में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। पुर्तगाल के संसदीय मामलों के मंत्री कार्लोस अब्रू अमोरिम ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सड़कों से उठने वाले नारों के दबाव में झुकने वाली नहीं है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक नेताओं पर उनकी समस्याओं से कट होने का आरोप लगाया।

अल्बानिया में छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्रालय का घेराव

तिराना , एजेंसी। यूरोप के कई अन्य देशों में बिगड़ी शिक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। अल्बानिया में पिछले लगातार चार दिनों से युवा सड़कों पर हैं। टयूशन फीस में वृद्धि, विश्वविद्यालयों में खराब सुविधाएं और पढ़ाई के बाद रोजगार के अवसरों में कमी से भड़के युवाओं ने शनिवार को शिक्षा मंत्रालय का घेराव किया। इस दौरान कई जगहों पर छात्र व सुरक्षा कर्मी भिड़ गए। फर्गिमो रियोल्युशन... अल्बानिया की राजधानी तिराना और अन्य शहरों में बड़े पैमाने पर यह आंदोलन 23 मई 2026 से चल रहा है। अक्टूबर मध्य में आंदोलन ने फिर से तेजी पकड़ी। शिक्षा व्यवस्था के अलावा ज्वर्नक के संरक्षित तटीय क्षेत्र में तुरिज्म प्रोजेक्ट्स और निर्माण के खिलाफ स्थानीय निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता आंदोलनरत हैं। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार और महंगाई पर निशाना साधते हुए अल्बानियाई पीएम एड रिमा के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं।

पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा: जवाबी कार्रवाई में मारे गए अफगान तालिबान के कई सदस्य

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा में सीमा पर कथित तौर पर बिना उकसावे के की गई गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की। इसमें अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि ताइदा सेक्टर, ऊपरी कुर्रम और घुज गड़ इलाकों में गोलीबारी की खबर मिली थी। आरोप है कि अफगान तालिबान ने आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराने में मदद देने के लिए गोलीबारी की। अधिकारी के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें घुज गड़ के सीमा क्षेत्र के पास अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। अपर कुर्रम सेक्टर में पाकिस्तानी बलों ने अफगान तालिबान की टॉपसर चौकी और शिपोला बेस कैंप को निशाना बनाया। अधिकारी ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में शिपोला बेस कैंप पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी बलों की कार्रवाई के बाद तालिबान के कई जवान कथित तौर पर अपनी सीमा चौकी छोड़कर भाग गए। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों के टिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन्हें सुनियोजित और सावधानीपूर्वक किए गए हमले बताया था। इन हमलों में प्रतिबंधित संगठन फितना अल-खवारिज से जुड़े कई आतंकवादी मारे गए थे। पाकिस्तान की संघीय सरकार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए ‘फितना अल-खवारिज’ शब्द का इस्तेमाल करती है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में सीमा पार से होने वाले आतंकवादी हमलों में तेज बढ़ोतरी हुई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान में ऐसे हमले बढ़े हैं।

यूक्रेन की सैटेलाइट सेवा पर विवाद: रुबियो ने व्हाइट हाउस को बताया बेदाग, कहा- अमेरिका का कोई हाथ नहीं

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन आरोपों को खारिज किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने यूक्रेन के ड्रोन में इस्तेमाल होने वाली सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को जानबूझकर सीमित किया। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि यूक्रेन रूस के भीतर दूर तक हमले करने के लिए अमेरिका की एक अलग सैन्य संचार प्रणाली तक पहुंच मांग रहा है। ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की दो सेवाओं स्टारलिनक और स्टारशील्ड के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि स्टारलिनक एक

पूरे फ्रांसमें विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे आठ लाख लोग, 150 से अधिक पुलिसकर्मी घायल

पेरिस , एजेंसी। ईंधन की बढ़ती लागत और लगातार बढ़ रही महंगाई के कारण पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसक झड़पें, आगजनी और लूटपाट की घटनाएं हुई हैं। आयोजकों का दावा है कि देश भर में हुए 110 मार्च में लगभग आठ लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे थे. प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्न् ने कहा कि 150 से अधिक पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं और लगभग 1,200 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

फ्रांस के गृह मंत्री ने उपद्रवियों को ‘बेहद हिंसक, कड़ूर वामपंथी समूह’ बताया. उन्होंने कहा कि ये लोग पुलिस से भिड़ना चाहते थे और इन्होंने सिटी हॉल तथा स्थानीय सरकारी कार्यालयों जैसी सार्वजनिक इमारतों को निशाना बनाया. उन्होंने बताया कि इन समूहों के साथ ऐसे अपराधी भी जुड़ गए थे जो दुकानों में लूटपाट करना चाहते थे. उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से ज्यादातर वयस्क हैं. मध्य पेरिस में भी कई जगहों पर घटनाएं हुईं.

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ‘एक्स’ पर एक संदेश में कहा, ‘हमारे गणतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है. जिन लोगों ने संपत्ति में तोड़फोड़ की, सरकारी कार्यालयों और व्यवसायों पर हमले किए, और यहां तक ??कि हमारे टाउन हॉल में लूटपाट भी की, उन पर मुकदमा चलाया जाएगा और उन्हें सजा दी

अमेरिका: कंसास में फुटबॉल मैच के दौरान मैदान में घुसी कार; बच्चे समेत दो की मौत, हिरासत में वाहन चालक

कंसास , एजेंसी। अमेरिका के कंसास राज्य के विचिटा शहर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबॉल मैच के दौरान कार मैदान पर घुस गई। इस घटना में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सीएनएन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि घटना के बाद पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया। विचिटा पुलिस विभाग के आरोन मोसेस ने कहा कि चालक हिरासत में है और उससे आम लोगों को अब कोई अतिरिक्त खतरा नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना स्ट्राइकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई। स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 3:25 बजे कार परिसर में घुस गई। उस समय मैदान पर फुटबॉल मैच चल रहा था। मोसेस ने बताया कि घटना के वक्त कार में दो नाबालिग भी सवार थे। हादसे के बाद वाहन घटनास्थल पर ही मौजूद रहा। मृतकों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, कार वालों में एक नाबालिग और एक वयस्क शामिल हैं। जांच एजेंसियां घटना के



जाएगी. ‘मैक्रों ने आगे कहा, ‘जो लोग अराजकता फैलाते हैं और जो लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने से रोकते हैं, उनके खिलाफ हम एकजुट होकर खड़े होंगे.’

फ्रांस भर में प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर की गई उस अपील पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें 2018 में सामाजिक अन्याय के खिलाफ शुरू हुए ‘येलो वेस्ट’ (पीली जैकेट) आंदोलन को फिर से जीवित करने के लिए कहा गया था. प्रदर्शनकारियों ने सरकार के प्रति भारी निराशा और गुस्सा जाहिर किया. हाल के महीनों में पेट्रोल, ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी उछाल आया है. ये आंदोलन उसके खिलाफ हैं. कई प्रदर्शनकारियों को चमकीले पीले रंग की जैकेट पहने देखा गया. यह 2018 के प्रदर्शनों का प्रतीक बन गई थी. एक प्रदर्शनकारी माब्रुक ने कहा, ‘हर तरफ निराशा और गुस्से का माहौल है.’ वे सभी उम्र के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ मार्च कर रही

एलिसीज के आसपास के स्टेशन, और राष्ट्रपति भवन, संसद तथा सरकारी कार्यालयों के पास के स्टेशन शामिल थे.इस बीच, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह उस मार्च में शामिल हो गया जो उत्तर-पश्चिमी पेरिस की ओर बढ़ रहा था. भीड़ ने फ्रांस का राष्ट्रगान गाया और झंडे लहराए. कुछ लोगों ने तुरही और वॉर्यालिन भी बजाए.फ्रांस के तीसरे सबसे बड़े शहर ल्योन में, जहां लगभग 20000 प्रदर्शनकारी मार्च में शामिल हुए थे।

एक पर्यटक कार्यालय के अंदर आग लग गई.मध्य फ्रांस के एक मध्यम आकार के शहर लिमोगेस में, सिटी हॉल में आग लगा दी गई. पेरिस में देर शाम तक कई जगह आग जलती रही। वीडियो फुटेज में कुछ प्रदर्शनकारी सड़कों पर लगी आग को बड़काते दिखाई दिए। दंगा नियंत्रण पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी और लाठीचार्ज किया। एक ऐतिहासिक इमारत को भी आग के हवाले किए जाने की खबर सामने आई। वीडियो में 143 साल पुराने फ्रांसीसी स्मारक को आग से क्षतिग्रस्त होते देखा गया। आग के कारण इमारत की छत नीचे की मंजिलों पर गिर गई। लिमाज के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों की ओर से बाहरी हिस्से में आग लगाए जाने के बाद टाउन हॉल का करीब दो-तिहाई हिस्सा नष्ट हो गया।

रूस से तेल खरीद की छूट पर रुबियो बोले- वैश्विक अर्थव्यवस्था का आकलन करने के लिए 60 दिन चाहते हैं ट्रंप



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप के रूसी तेल को लेकर टेरिफ पर छूट देने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी है. रुबियो ने कहा कि इस कदम के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर का विश्लेषण करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने 60 दिन की छूट दी है. रुबियो शनिवार शाम को यहां के पास जॉइंट बेस एंड्रयूज में सवालों का जवाब दे रहे थे, जब वे उज्बेकिस्तान और भारत के छह दिन के दौर पर खाना हुए थे. रुबियो ने रूस और ईरान पर प्रतिबंध अधिनियम या ग्राहम अधिनियम के तहत ट्रंप द्वारा दी गई छूट पर एक सवाल के जवाब में कहा, ‘मुझे लगता है कि राष्ट्रपति यह विश्लेषण करने के लिए 60 दिन का समय लेना चाहते हैं कि प्रतिबंध और शुल्क लगाने का वैश्विक अर्थव्यवस्था और यहां तक ??कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा.’ शुक्रवार को

कनाडा के सैन्य अड्डे पर लगी आग: कई लोगों की मौत, पीएम कार्नी ने बताया गंभीर हादसा; तेज हवाओं से फैली लपटें

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में स्थित सैन्य अड्डे पर एक गंभीर घटना के बाद भीषण आग लग गई। इस घटना में कई लोगों की मौत हुई है और अन्य घायल हुए हैं। कनाडा के रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने मृतकों और घायलों की संख्या या घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, आग तेज हवाओं के कारण तेजी से फैल रही है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग सैन्य अड्डे की बाड़ पार कर आसपास के इलाके की ओर बढ़ गई थी। कई क्षेत्रों के अग्निशमन दल आग बुझाने के अभियान में जुटे हैं। फिलहाल, प्रशासन ने आसपास के लोगों के लिए किसी तरह का निकासी आदेश जारी नहीं किया है।

रक्षा मंत्री बोले- स्थिति बेहद संवेदनशील : कनाडा के रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने कहा कि सैन्य अड्डे पर हुई घटना में लोगों की जान गई है और कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा ‘मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि सैन्य अड्डे पर हुई घटना के परिणामस्वरूप लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल भी हुए हैं। मैकगिन्टी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थिति को बेहद सक्रिय और संवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारी अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर हुआ क्या था। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि मामले

में आगे और जानकारी दी जाएगी। रक्षा मंत्री के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस भी जांच में शामिल है। तेज हवाओं के कारण तेजी से फैल रही आग वेनराइट के म्युनिसिपल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि शनिवार को आग सैन्य अड्डे की बाड़ पार कर गई और तेज हवाओं के कारण तेजी से फैलने लगी। आग पर काबू पाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से अग्निशमन दल बुलाए गए हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कनाडाई सशस्त्र बलों के साथ संधीय, प्रांतीय और स्थानीय अधिकारी मिलकर काम कर रहे हैं। आसपास के वेनराइट समुदाय की ओर से अस्पताल और अग्निशमन संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

पीएम कार्नी ने बताया गंभीर घटना कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अल्बर्टा स्थित सीएफबी वेनराइट सैन्य अड्डे पर आग लगने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक गंभीर घटना के कारण यहीं बड़ी आग लगी है। कार्नी ने घटना से प्रभावित सभी महिला और पुरुष सैन्यकर्मियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सोच और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। वहीं, अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने आग को गंभीर और दुखद घटना बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना से कई सैन्यकर्मी प्रभावित हुए हैं।

के उनके फैसले से अमेरिका को फायदा होगा. उन्होंने कहा, ‘आप में से बहुत से लोग अभी नहीं जानते कि मेरा फैसला क्या है, लेकिन हम इसका पता लगा लेंगे, और आप भी इसका पता लगा लेंगे.’ ट्रंप ने कहा, ‘यह बहुत अच्छा फैसला है और यह देश के लिए अच्छा होगा और मुझे लगता है कि यह दुनिया के लिए भी अच्छा होगा क्योंकि हम सच में एक वर्ल्ड स्ट्रेज पर हैं.’ रुबियो ने कहा कि जब ग्राहम एक्ट पास हुआ था तो दुनिया भर में हो रही अलग-अलग चीजों की स्टडी करने के लिए छूट दी गई थी, जैसे ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई पर दबाव, सऊदी अरब में हूतियों का हमला और यूक्रेन-रूस युद्ध. रुबियो ने कहा, ‘तो मुझे लगता है कि आपको इन सभी बातों को ध्यान में रखना होगा और एक-दूसरे के साथ तुलना करनी होगी.’ विदेश मंत्री ने कहा, ‘उदाहरण के लिए भारत जैसे देश हैं, जिन्होंने अपनी मर्जी से अपनी ऊर्जा खरीद में विविधता लाई है, लेकिन फिर भी उन्हें रूस से काफी ऊर्जा मिल रही है क्योंकि एक दिन से दूसरे दिन बदलना मुश्किल है.’ अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो सोमवार को भारत आने वाले हैं. रुबियो ने कहा कि भारत अमेरिका का एक जरूरी साथी और पार्टनर है, और राष्ट्रपति को इन सब पर स्टडी करने और यह पता लगाने के लिए समय चाहिए कि सही कॉम्बिनेशन क्या है. रूस पर सेंक्शन हटाने के ट्रंप के फैसले की रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ने आलोचना की, जिन्होंने पिछले महीने लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट को भारी बहुमत से पास करने के लिए एक साथ आए थे. साउथ केरोलिना की रिपब्लिकन सीनेटर डॉनल्ड ग्राहम ने भी ट्रंप को आलोचना की कि उन्होंने रूस को उस सैंक्शन कानून से छूट दी।

इटली में महंगाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन: मेलोनी बोलीं- विरोध करना अधिकार शहरों को आग के हवाले करना नहीं

रोम , एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने देश के कई बड़े शहरों में महंगाई के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा हैं, लेकिन राजनीतिक हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी कर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वालों के बीच अंतर किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मेलोनी ने कहा, ‘मैं उन हजारों लोगों का बहुत सम्मान करती हूं, जिन्होंने आज शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। इनमें ट्रेड यूनियन सीजीआईएल के आह्वान पर जुटे लोग भी शामिल थे। इस प्रदर्शन में वामपंथी नेता भी शामिल हुए। प्रदर्शन का मुद्दा चाहे कुछ भी हो, इसमें भागीदारी किसी भी स्वरूप के लोकतंत्र की बुनियाद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई शहरों में कानून लागू कराने वाले अधिकारियों को सीधे हमलों और तोड़फोड़ का सामना करना पड़ा। हालात को देखते हुए प्रशासन को आपात कदम उठाने पड़े। मेलोनी ने कहा, ‘दूसरी ओर, हम इटली के अन्य शहरों में हुई घटनाओं को नज़रअंदाज नहीं कर सकते। मिलान में सुरक्षा बलों पर पथर फेंके गए, अधिकारी घायल हुए और हिंसा तथा तोड़फोड़ की कारण जुलूस रोकना पड़ा। ट्यूरिन में कुछ लोगों को पथर और खिड़कियां तोड़ने में इस्तेमाल होने



वाले हथौड़ों के साथ रौका गया। बोलेन्या में हिंसा के कारण रेलवे स्टेशन को एहतियातन बंद करना पड़ा। उन्होंने हिंसा करने वालों को ऐसे उपद्रवी बताया, जो प्रदर्शनों का फायदा उठाकर अराजकता फैलाते हैं, सुरक्षा सुनिश्चित करने वालों पर हमला करते हैं और पूरे शहर को बंधक जैसी स्थिति में डाल देते हैं। मेलोनी ने कहा, ‘प्रदर्शन करना अधिकार है। हमारे शहरों को आग के हवाले करने नहीं।’

विपक्ष से हिंसा की स्पष्ट निंदा करने की अपील : इटली की प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से सड़क पर होने वाली हिंसा के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर अस्पष्ट रवैया अपनाने से सार्वजनिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था प्रभावित होती है। मेलोनी ने कहा, ‘मैं विपक्ष से फिर अपील करती हूं कि इस मामले में अस्पष्ट रुख न अपनाएं। हिंसा की इन घटनाओं की स्पष्ट रूप से निंदा करें और यह संदेश दें कि हर प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए।

से भी जोड़ा, जिसमें वे कहते रहे हैं कि उनके नेतृत्व में अमेरिका की सैन्य ताकत फिर से मजबूत हुई है और देश अब अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यह फैसला ऐसे समय में लिया गया, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। राष्ट्रपति ने माना कि इस अभियान के कारण अमेरिका को मध्य पूर्व पर अतिरिक्त ध्यान और संसाधन लगाने पड़े, लेकिन उनका कहना था कि ईरान को परमाणु हथियार हसिल करने से रोकना किसी भी अल्पकालिक आर्थिक प्रभाव से ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सैन्य अभियान खत्म होने के बाद ऊर्जा की कीमतों में गिरावट आएगी। ट्रंप ने कहा, ‘यह बहुत जल्दी खत्म होने वाला है।’ उन्होंने आगे कहा कि



उसका इस्तेमाल करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ढांचे को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि यह कार्यक्रम फिर से शुरू न हो सके। उन्होंने कहा, ‘हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह दोबारा वापस न आए। ट्रंप ने बताया कि सैन्य अभियान के दौरान उन्होंने अपने कर्मचारी अधिकारियों को इसी दिशा में काम करने के निर्देश दिए थे। ट्रंप ने इस कार्रवाई को अपने उस बड़े दावे

स्टारलिनक और स्टारशील्ड में बताया अंतर : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि स्टारलिनक और स्टारशील्ड अलग-अलग व्यवस्थाओं के तहत काम करते हैं। उन्होंने स्टारलिनक को व्यावसायिक उत्पाद बताया, जबकि स्टारशील्ड को रक्षा और



इस्तेमाल न कर सकें।’ उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, सेवा में आई बाधा को दूर कर दिया गया है और स्थिति पहले जैसी हो गई है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जानकारी उन्हें पहले मिली रिपोर्टों पर आधारित थी।



मर्यादा पुरुषोत्तम श्री श्रीराम

रघुकुल की महान परंपरा में अयोध्या नगरी में पिता दशरथ और माता कौशल्या के यहाँ श्रीराम अवतरित हुए। उस समय अयोध्या राज्य में सब ओर सुख शान्ति थी। लेकिन सुदूर दक्षिण भारत में लंकापति रावण आसुरी वृत्तियों को बढ़ाने में लगा था। वह अतिशक्तिमान राक्षसराज धीरे धीरे उत्तर में भी अपना कुप्रभाव फैलाने में सफल हो रहा था जिसके चलते भारतके दक्षिण में स्थित अनेक राज्य और उनके निवासी राजा रावण के राक्षसी प्रभाव का शिकार बनते नजर आ रहे थे। ऐसे में प्राचीन भारत की महान संस्कृति का प्रचार और प्रसार करने की जिम्मेदारी निभाने के लिये प्रभु को स्वयं श्रीराम के रूप में अवतरित होना पड़ा।

भरत को भौगोलिक राज्यों को एकसूत्र में बांधने का अधिकारी श्रेय भगवान राम को ही जाता है। अपने भाई लक्ष्मण और भार्या सीता के साथ 14 बरस उन्होंने लगभग संपूर्ण भारत का भ्रमण किया जगह जगह सात्विकता को बढ़ावा देते तामसिक वृत्तियों का संहार किया। एक ओर ऋषिमुनि जनों का आदर किया तो दूसरी ओर राक्षसों को दण्डित भी किया। ब्राह्मण शत्रु और वैश्य समाज के साथ पिछड़े वर्ग के लोगों को साथ लेकर उन्होंने सामाजिक क्रांति की नींव रखी। ठोस उदाहरण देने से तो आदिवासी सरदार गुह्र नौका खेनेवाला केवट भक्त शबरी वानर जाति के सुग्रीव और अंगद रीछ जाति के जाम्बवत पक्षी जाति के जटायु आदि सब जन के साथ श्रीराम का प्रेमपूर्ण सद्भाव और मैत्री का व्यवहार रहा। ये सब एकजुट होकर श्रीराम के कार्य में लगे रहे। सीताहरण और उसके चलते उसकी कलाश में जहाँ राम लक्ष्मण स्वयं वन में पैदल भटके वहीं इन सब पिछड़ी जाति के सदस्यों ने उनकी निष्काम भाव से सहायता की। रामसेतु और लंकाविजय को सामूहिक और सांघिक एकजुटता की विजय का प्रतीक हम मान सकते हैं।

राजपुत्र होने के नाते श्रीराम का बचपन सुख और समृद्धि में बीता। इस बचपन की दो विशिष्टताएँ थीं। एक तो राम लक्ष्मण भरत और शत्रुघ्न इन चारों भाइयों का अनोखा बंधुप्रेम। मानो चार शरीर और एक आत्मा। माता कैकयी के अपने बेटे भरत को राजसिंहासन देना और राम को वनवास सुनाना यह एक विचित्र संकट था। किन्तु राम और भरत का प्रेम इन लौकिक स्वार्थ से ऊपर उठकर था। सो भरत ने अयोध्या नगरी के बाहर एक आश्रम में

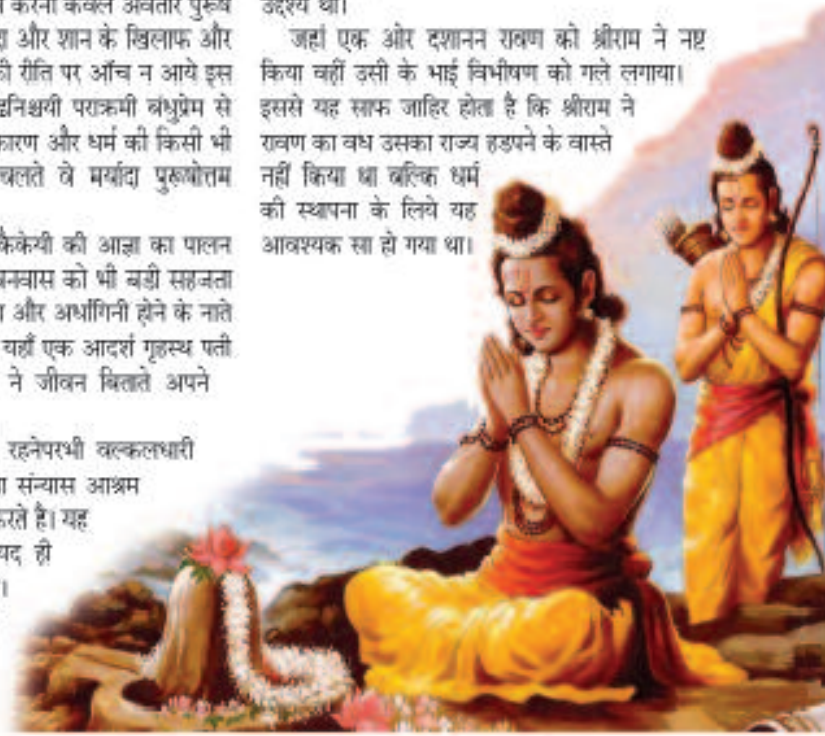
सन्ध्यासी जैसे रहकर राम के स्थान पर 14 साल राजपाठ संभाला। किशोर अवस्था में अरण्यवासी ऋषिमुनीओं के यज्ञ में किन्तु खल्लेख करने वाले राक्षसों का राम लक्ष्मण ने संहार किया और आर्यव्रत की यागयज्ञ रिति को अबाधित रखने में सहायता की। सीता स्वयंवर में पराक्रम और शालीनता का सुरीला संगम बनाते हुये एकपत्नीव्रत जैसी महान सामाजिक परंपरा की नींव रखी। केवल एक दिन में ही एक ओर राज्याभिषेक जैसी अतिआनंददायी तो दूसरी ओर अतिकठोर वनवास की आज्ञा ऐसे पूर्णतः विपरित आदेशों का निःसंकोच और स्थितप्रज्ञभाव से पालन करना केवल अवतार पुरुष को ही संभव हो सकता है। कुल की पर्याप्त और शान के खिलाफ और प्राण जाये पर वचन न जाई इस रघुकुल की रीति पर आँच न आये इस प्रयत्न में श्रीराम सफल हुए। सत्यवादी दृढनिश्चयी पराक्रमी बंधुप्रेम से ओतप्रोत श्रीराम ने घरगृहस्थी समाज राजकारण और धर्म की किसी भी सीमा का उल्लंघन नहीं किया। इसके चलते वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये।

पिता के वचन का आदर और माता कैकयी की आज्ञा का पालन करने के लिये श्रीराम ने चौदह बरस के वनवास को भी बड़ी सहजता से स्वीकार किया। बंधुप्रेम से प्रेरित लक्ष्मण और अधिगिनी होने के नाते सीता को श्रीराम अपने साथ वन ले गये। यहाँ एक आदर्श गृहस्थ पत्नी भाई और गणनायक के रूप में श्रीराम ने जीवन बितते अपने व्यक्तिमत्त्व में चार चाँद लगाये।

चौदह बरस धर्मपत्नी के सहवास में रहनेपर भी कल्कलधारी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और माता सीता संन्यास आश्रम का पालन करते हुए शरीर सुख का त्याग करते हैं। यह उदात्तता भारतीय संस्कृति को खेड़ साधद ही किसी अन्य संस्कृति में पाई जाती हो। ध्येयवादी राम अरण्य में भी ऋषिमुनीओं के आश्रम को भेट देते और वेद उपनिषद के गहन तत्वों की चर्चा करते। इससे वेदों का अध्यात्मिक ज्ञान सारे

भारत में फैला और आर्यसंस्कृति का सद् प्रसार एवम् प्रचार हुआ। सीता के अपहरण में अहंकारी रावण और भौतिकता के शिकार राक्षस गण को सबक सिखाने का हेतु निहित था। स्वार्थपरायणता में डूबा रावण इस बात को भूल गया था कि वेदभ्यास शरीरसुख उपभोग के लिये नहीं बल्कि अपनी आंतरिक देवी प्रतिभाको उद्भूत करने के लिये होता है। अनेक रात्रियाँ होनेपर भी सीता का हरण कर के उससे जबरदस्ती शादी करने का मोह इस बात का प्रमाण था कि संसार के सारे सुख खुद ही उपभोगना यही उसके लिये एकमात्र जीवन का उद्देश्य था।

जहाँ एक ओर दशानन रावण को श्रीराम ने नष्ट किया वहीं उसी के भाई विभीषण को गले लगाया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि श्रीराम ने रावण का वध उसका राज हड़पने के वास्ते नहीं किया था बल्कि धर्म की स्थापना के लिये यह आवश्यक सा हो गया था।



आज भी पूजे जाते हैं दशानन

असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देने वाले विजयादशमी पर्व पर जहाँ एक ओर लाखों की संख्या में लोग भगवान श्रीराम की पूजा करते हैं, वहीं देश में कुछ लोग रावण को अपना आराध्य मानकर शक्ति के रूप में उसकी पूजा करते हैं। उत्तरप्रदेश के महानगरों में शुमार कानपुर शहर के शिवाला इलाके में एक मंदिर ऐसा है, जहाँ शक्ति के प्रतीक के रूप में लंकाधिराज रावण की पूजा अर्चना और आरती होती है तथा श्रद्धालु अपने लिये मन्त्रों मांगते हैं। इस मंदिर का नाम 'दशानन मंदिर' है और इसका निर्माण वर्ष 1890 में हुआ था।

दशानन मंदिर के दरवाजे साल में केवल एक बार दशहरे के दिन ही सुबह नौ बजे खुलते हैं और मंदिर में लगी रावण की मूर्ति का पहले पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ श्रृंगार किया जाता है और उसके बाद रावण की आरती उतारी जाती है तथा शाम को दशहरे में रावण के पुल्ला दहन के बाद इस मंदिर के दरवाजे एक साल के लिए बंद कर दिए जाते हैं। यह मंदिर 24 अक्टूबर को सुबह खुलेगा और शाम को पूजा-पाठ के बाद बंद हो जाएगा।

रावण के इस मंदिर में होने वाले समस्त कार्यक्रमों के संयोजक केके तिवारी ने ने बताया कि शहर के शिवाला इलाके में कैलाश मंदिर परिसर में मौजूद विभिन्न मंदिरों में भगवान शिव मंदिर के पास ही लंका के राजा रावण का मंदिर है। यह मंदिर करीब 122 साल पुराना है और इसका निर्माण महाराज गुरु प्रसाद शुक्ल ने कराया था।

मंदिर के संयोजक तिवारी बताते हैं कि इस मंदिर को स्थापित करने के पीछे यह मान्यता थी कि रावण प्रकांड पंडित होने के साथ साथ भगवान शिव का परम भक्त था, इसलिए शक्ति के प्रहरी के रूप में यहां कैलाश मंदिर परिसर में रावण का मंदिर बनाया गया था।



रावण की मृत्यु से पहले हुई थी यह घटना



इस बात को तो सभी जानते हैं कि भगवान राम ने आश्विन शुक्ल दशमी तिथि को लंकापति रावण को मार था। लेकिन रावण को मारना भगवान राम के भी वश की बात नहीं थी। रावण को मारने से पहले भगवान राम ने ऐसी चाल चली कि, जो देवी रावण की रक्षा कर रही थी वही रावण की मौत का कारण बन गयी।

शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि मां दुर्गा का छत्र स्वरूप है देवी कात्यायनी का। देवी ने ऋषि कात्यायन को उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर पुत्री रूप में प्राप्त होने का वरदान दिया था। इसी वरदान के फलस्वरूप देवी कात्यायनी का जन्म हुआ। पुत्री रूप में देवी ने तीन दिनों तक ऋषि कात्यायन की पूजा स्वीकार की इसके बाद देवी अष्टभुजा रूप में प्रकट हुई और इन्होंने महिषासुर का वध किया।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि जब भगवान विष्णु श्री कृष्ण रूप में प्रकट हुए तब ब्रज की कन्याओं ने कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए देवी कात्यायनी की पूजा की। इसलिए यह देवी ब्रज मण्डल की अधिष्ठात्री देवी कहलाती हैं। नवरात्र के छठे दिन इसी देवी को पूजा होती है। आज चैत्र नवरात्र का छठ दिन है। आज देवी के इसी स्वरूप की पूजा हो रही है।

देवी पुराण में उल्लेख मिलता है कि रावण भगवान शिव के साथ ही आदि शक्ति देवी कात्यायनी का भक्त था। रावण की भक्ति के कारण देवी अपनी योगिनियों के साथ लंका में वास करती थीं जिससे रावण अजेय हो गया था।

देवी कात्यायनी की सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण देवाताओं को कष्ट पहुंचाने लगा। देवाताओं ने भगवान विष्णु से रावण से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु सोच में पड़ गये कि देवी कात्यायनी से सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण को मारना उनके लिए कठिन है। इस समस्या का हल निकालने के लिए भगवान विष्णु देवी कात्यायनी के पास गये।

भगवान विष्णु ने कात्यायनी से कहा कि आपसे सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण निर्भय होकर अत्याचार कर रहा है। इसका अंत करना आवश्यक है इसलिए आप अपनी सुरक्षा हटा लीजिए। भगवान विष्णु की प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी ने कहा कि आप रामावतार लीजिए, इस अवतार में देवी लक्ष्मी सीता रूप में आपकी सहायता करेंगी। ?

देवी लक्ष्मी मेरा ही स्वरूप हैं। जब रावण सीता का हरण करेगा तो वह मेरा अपमान होगा जिससे मैं अपनी सुरक्षा हटा लूंगी और आप रावण का वध करने में सफल होंगे।

भगवान राम ने रावण से युद्ध करने के पहले देवी कात्यायनी की आराधना की और देवी से रावण को दी गयी सुरक्षा हटाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु को दिये गये वचन के अनुसार देवी लंका त्याग कर अपने लोक में चली गयी और भगवान राम रावण का वध करने में सफल हुए। मान्यता यह भी है कि भगवान राम ने जिस वाण से रावण का वध किया था वह वाण राम को देवी कात्यायनी द्वारा प्रदान किया गया था।

रुद्रप्रयाग में बड़ा हादसा: गहरी खाई में गिरा 35 वर्षीय युवक



रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में चंद्रापुरी क्षेत्र के गबनी गांव के पास एक युवक के खाई में गिरने की घटना से हड़कंप मच गया। हादसे के बाद से 35 वर्षीय रविंद्र सिंह लापता हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन ल

(रुक्मा) की टीमों मौके पर पहुंची और खोजबीन शुरू की। रातभर चले तलाशी अभियान के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका। सोमवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें रुक्मा, स्थानीय

पुलिस और जल पुलिस की टीमों जुटी हुई हैं।

रात करीब 11 बजे मिली हादसे की सूचना
प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार, 18 अक्टूबर 2026 की रात करीब 11 बजे धर्मेन्द्र सिंह ने आपातकालीन सेवा नंबर 112 पर फोन कर घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनके भाई रविंद्र सिंह खाई में गिर गए हैं। रविंद्र सिंह की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई गई है और वह उखीमठ क्षेत्र के उदयपुर गांव के वार्ड नंबर-2 के निवासी हैं। सूचना मिलते ही संबंधित पुलिस टीम और रुक्मा के जवान तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल की भौगोलिक स्थिति, खाई की गहराई और रात के अंधेरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अंधेरे में भी जारी रही तलाश हादसे की गंभीरता को देखते हुए बचाव दल ने रात में ही संभावित स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

सोमवार, 19 अक्टूबर की सुबह बचाव अभियान को फिर से तेज किया गया। तलाशी अभियान में रुक्मा, स्थानीय पुलिस और जल पुलिस की टीमों शामिल हैं। बचावकर्मों खाई के आसपास के दुर्गम हिस्सों और संभावित जल क्षेत्र में भी खोजबीन कर रहे हैं, ताकि रविंद्र सिंह का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। **परिजनों की बढ़ी चिंता, तलाश जारी**
लंबे समय से युवक का कोई सुराग नहीं मिलने के कारण परिजनों और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। बचाव दल उपलब्ध संसाधनों और परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग संभावित स्थानों पर तलाश कर रहे हैं। फिलहाल युवक के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

24-25 अक्टूबर को पौड़ी जिले में निकलेगी कांग्रेस न्याय यात्रा: धीरेंद्र प्रताप

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार: उत्तराखंड कांग्रेस की न्याय यात्रा आगामी 24 और 25 अक्टूबर को पौड़ी जनपद की चौबट्टाखाल, यमकेश्वर, कोटद्वार और लैंसडाउन विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेगी। यह जानकारी उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता तथा पौड़ी गढ़वाल के नवनियुक्त प्रभारी धीरेंद्र प्रताप ने दी उन्होंने बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में विधायक विक्रम सिंह नेगी और लखपत बुटोला भी शामिल होंगे। यात्रा की शुरुआत 22 अक्टूबर को बदरीनाथ से होगी। धीरेंद्र प्रताप के अनुसार, 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे सतपुली, दोपहर 2 बजे दुर्गट्टा और शाम 4 बजे कोटद्वार में न्याय यात्रा के कार्यक्रम होंगे। वहीं, 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजे लैंसडाउन विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को संबोधित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 3 बजे चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के बीरोखाल विकासखंड मुख्यालय में यात्रा पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर को न्याय यात्रा गैरसैण पहुंचेगी। इसके बाद 27 अक्टूबर

से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस राज्य सरकार के खिलाफ विधानसभा घेराव करेगी। इस कार्यक्रम में गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य, हरीश रावत, हरक सिंह रावत, करण माह्रा और प्रीतम सिंह सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पार्टी का दावा है कि घेराव में हजारों कार्यकर्ता भाग लेंगे। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि विधानसभा घेराव के दौरान महंगाई, बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित घोटालों, महिला अत्याचार, जंगली जानवरों के हमलों से होने वाली मौतों और खेती को पहुंच रहे नुकसान जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। उन्होंने अंकिता भंडारी प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले में भाजपा नेता दुष्यंत गोतम को लेकर पार्टी अपना विरोध दर्ज कराएगी और उन्हें पद से हटाने की मांग करेगी। इसके अलावा वोट चोरी और चंदा चोरी के मुद्दों को भी कांग्रेस अपने अभियान में प्रमुखता से उठाएगी। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि न्याय यात्रा के माध्यम से कांग्रेस जनसमस्याओं को जनता के बीच उठाने के साथ ही राज्य सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने का प्रयास करेगी।

गंगोत्री नेशनल पार्क में पर्यटकों का रिकॉर्ड



उत्तरकाशी। गंगोत्री नेशनल पार्क में इस वर्ष पर्यटकों की आमद ने नया रिकॉर्ड बनाया है। एक अप्रैल से 15 अक्टूबर तक पार्क क्षेत्र में 39,519 पर्यटक पहुंच चुके हैं और इससे 1 करोड़ 5 लाख 99 हजार 860 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। खास बात यह है कि पार्क के गेट 30 नवंबर को बंद होने हैं। ऐसे में अभी करीब डेढ़ माह का पर्यटन सीजन बाकी है और पर्यटकों की संख्या के साथ राजस्व में

पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 29,202 पर्यटकों की आवाजाही दर्ज की गई थी। गंगोत्री नेशनल पार्क के उप निदेशक मयंक गर्ग ने बताया कि पार्क के ट्रेकों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इससे देश-विदेश के पर्यटक यहां की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर साल पर्यटकों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है।

बड़कोट में जाम से मिलेगी राहत

बड़कोट। तहसील मुख्यालय बड़कोट में आवाजाही को सुगम बनाने और मुख्य बाजार में यातायात का दबाव कम करने की दिशा में नई सड़क शुरू होने से लोगों को राहत मिली है। नगर पालिका परिषद की ओर से आईटीआई रोड को तिलाड़ी सड़क से जोड़ने वाली 350 मीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण पूरा हो गया है। करीब 90 लाख की लागत से बनी सड़क पर आवाजाही शुरू होने से वार्ड संख्या छह सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को तहसील मुख्यालय पहुंचने के लिए अब मुख्य बाजार का लंबा चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी।सड़क का लाभ बड़कोट, नैगांव, बनाल और ठक्कराल क्षेत्र के लोगों को भी मिलने की उम्मीद है।

नवजात बच्ची की मौत से फैली सनसनी

अमम सिंह नगर।उत्तराखंड के अमम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में नवजात बच्ची को चर्च के पास असुरक्षित हालत में छोड़ने और बाद में उसकी मौत होने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बच्ची की 23 वर्षीय मां शीतल, 45 वर्षीय नानी लीलावती और 30 वर्षीय मुनीश पाल शामिल हैं। गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाई गई बच्ची ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और नवजात की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

चर्च के पास कार के नीचे मिली थी बच्ची पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि रुद्रपुर की सिंह कॉलोनी स्थित सेंट जॉन चर्च के पास खड़ी एक कार के नीचे कपड़े में लिपटी नवजात बच्ची पड़ी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। उसकी हालत गंभीर होती के कारण चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए



हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्ची को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। पुलिस क्षेत्राधिकारी विभव सेन के अनुसार, उपचार के दौरान देर रात बच्ची की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बच्ची को वहां छोड़ने वालों की

पहचान करने के लिए घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। जांच के दौरान सामने आई फुटेज में एक मोटरसाइकिल पर दो महिलाएं और एक पुरुष दिखाई दिए। पुलिस ने फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। इसके बाद सोमवार को ट्रॉजिट कैंप क्षेत्र के आजादनगर से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

निजी अस्पताल में हुआ था जन्म
पुलिस की जांच में सामने आया कि शीतल ने 16 अक्टूबर की रात उत्तर प्रदेश के बिलासपुर स्थित एक निजी अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया था। 17 अक्टूबर को अस्पताल से छुड़ी मिलने के बाद नवजात को घर ले जाने के बजाय चर्च के पास छोड़ दिया गया। पुलिस के मुताबिक, बच्ची की मां और नानी मुनीश पाल की मोटरसाइकिल से वहां पहुंची थीं। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तीनों की भूमिका और घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की।

संक्षिप्त समाचार
झील में डूबे मंदिरों और रास्तों का नहीं हुआ पुनर्निर्माण

चिन्यालीसौड़। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा के दावे किए जा रहे हैं लेकिन टिहरी से उत्तरकाशी तक भागीरथी नदी के किनारे बुनियादी धार्मिक सुविधाओं का अभाव इन दावों की हकीकत बयां कर रहा है। स्थिति यह है कि श्रद्धालुओं को नदी में स्नान करना तो दूर, आचमन तक के लिए उचित स्थान नहीं मिल पा रहा है। चिन्यालीसौड़ से उत्तरकाशी मुख्यालय तक नदी किनारे न तो पर्याप्त स्नान घाट हैं और न ही मंदिरों तक पहुंचने के सुगम रास्ते। टिहरी बांध परियोजना की झील का विस्तार होने से टिहरी से चिन्यालीसौड़ और धरासू क्षेत्र तक कई धार्मिक स्थल प्रभावित हुए। शिव, माता, नाराज, नरसिंह, कृष्ण और भैरव के मंदिरों समेत दर्जनों मंदिर झील में डूब गए। नदी तक पहुंचने वाले कई रास्ते भी जलमग्न और क्षतिग्रस्त हो गए।

नीती घाटी से शीतकालीन प्रवास पर लौटने लगे ग्रामीण

ज्योतिर्मठ। उच्च हिमालयी क्षेत्र में तापमान में तेजी से गिरावट आने के साथ ही नीती घाटी में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। इसके चलते सीमांत क्षेत्र के ग्रामीणों ने शीतकालीन प्रवास के लिए निचले इलाकों में लौटना शुरू कर दिया है। अगले कुछ दिनों में पूरी घाटी खाली हो जाएगी। नीती घाटी में ठंड बढ़ने के साथ ग्रामीण अपने मवेशियों और रोजमर्रा के सामान के साथ निचले क्षेत्रों की ओर लौट रहे हैं। घाटी में होने वाली फाफर, ओगल और राजमा सहित अन्य फसलों की कटाई-मंडाई का काम पूरा हो चुका है। द्रोणागिरी की ग्राम प्रधान माहेश्वरी देवी ने बताया कि गांवों में फसल कटाई और मंडाई का काम पूरा हो चुका है। ठंड भी काफी बढ़ गई है। इसके चलते ग्रामीणों ने निचले इलाकों में लौटना शुरू कर दिया है।

16 नवंबर से शुरू होगी लाता की नंदा की रानी दिवारा यात्रा

ज्योतिर्मठ। लाता की मां नंदा की रानी दिवारा यात्रा 16 नवंबर से शुरू होगी। 23 नवंबर तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान देवी विभिन्न गांवों में जाकर भक्तों को आशीर्वाद देंगी। नंदा की रानी देवरा यात्रा 39 साल बाद हो रही है। नंदा देवी मंदिर परिसर में मंदिर समिति के अध्यक्ष दयमान सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें लाता, परसारी, बड़ागांव, ढाक, रिंगी, सुभाई, सेलंग, रेणी चक लाता, सलदार व मैती गांव सलूड़, डुंगरा, डुंग्री, बरोसी के प्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे। इस दौरान मां नंदा और लाता के भूमिपाल देवता के अवतारी पुरोहों के आदेशानुसार रानी दिवारा का कार्यक्रम निर्धारित किया गया। इस मौके पर लाता की प्रधान पूजा देवी, बड़ागांव की प्रधान बीना देवी, सुधीर सिंह, नरेंद्र सिंह, पंकज, मुकेश चंद्र सती, रोहित रावत, नवीन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मंत्री रेखा आर्य के पति को अदालत से राहत नहीं

देहरादून। उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य से जुड़े उपीड़न और कथित जातिभेदक शब्दों के इस्तेमाल के मामले में उनके पति गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू गिरधारी को अदालत से राहत नहीं मिली है। गिरफ्तारी की आशंका के बीच दाखिल उनकी अग्रिम जमानत याचिका को देहरादून की अदालत ने खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और विशेष जांच दल (एसआईटी) के रख को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि प्राथमिकी में लगाए गए आरोप अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध की ओर संकेत करते हैं। ऐसे में अधिनियम की धारा 18 और 18ए के तहत अग्रिम जमानत पर लागू प्रतिबंध इस मामले में प्रासंगिक है। यह आदेश पांचवी अपर सत्र



न्यायाधीश एवं एससी-एसटी एक्ट की विशेष न्यायाधीश अंजलि बेजवाल की अदालत ने दिया। अदालत ने कहा कि जब प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों से प्रथम दृष्टया एससी-एसटी एक्ट के तहत अपराध बनता दिखाई देता है, तो इस स्तर पर अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। इसी आधार पर याचिका खारिज कर दी गई। मामले के अनुसार, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने 15 अक्टूबर को देहरादून के कैंट

थाने में अपने पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में जान से मारने का आपराधिक षड्यंत्र रखने और एससी-एसटी एक्ट से संबंधित आरोप लगाए गए हैं। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि आवास पर मौजूद स्टफ के सामने गिरधारी लाल साहू ने रेखा आर्य के लिए कथित तौर पर जातिभेदक और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। एफआईआर में कथित घटना का समय वर्ष 2004 बताया गया है। इन आरोपों की सत्यता का निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान होना है। अग्रिम जमानत की मांग करते हुए बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि रेखा आर्य और गिरधारी लाल साहू करीब 22 वर्षों से पति-पत्नी हैं और उनके बीच घरेलू तथा आर्थिक मामलों को लेकर विवाद चल रहा है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र

उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79



मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सेलाकुई स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखण्ड

चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय परिसर में 20.55 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इनमें 20.21 करोड़ रुपये की तीन योजनाओं का शिलान्यास और 34 लाख रुपये की दो योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने परिसर में प्रशासनिक भवन, एम्फ़ीथीएटर और नक्षत्र वाटिका का शिलान्यास किया, जबकि विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार और दंत चिकित्सालय का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की और स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के विकास और युवाओं के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में नई सुविधाओं के विकास से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी।

फिताड़ी-कासला मार्ग बदहाल, गड्डों में अटकी ग्रामीणों की राह

पुरोला। फिताड़ी-कासला मोटर मार्ग की बदहाली ने ग्रामीणों के सफर को मुश्किल और जोखिम भरा बना दिया है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे और उखड़ी सतह वाहन चालकों की परेशा ले रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि राहगीरों को हर कदम संभलकर चलना पड़ रहा है। बरसात में सड़क की दुर्दशा और बढ़ जाती है जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। सड़क की बदहाली का असर केवल वाहनों की आवाजाही तक सीमित नहीं है बल्कि स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए आने-जाने वाले ग्रामीणों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

लंबे समय से सड़क की स्थिति में सुधार नहीं होने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सुरक्षित आवागमन के लिए सड़क की मरम्मत अब टालने के बजाय प्राथमिकता के आधार पर की जानी चाहिए। कासला के ग्राम प्रधान मूर्ति सिंह राणा और लिवाड़ी के प्रधान प्रतिनिधि प्रमोद रावत ने सड़क की दुर्दशा पर चिंता जताते हुए जल्द मरम्मत और सुधारीकरण कार्य शुरू कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जर्जर मार्ग के कारण पूरे क्षेत्र के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है वहीं, वेक्टरों के अधिवासी अभियंता आशीष चौधरी ने बताया कि पूर्व में कार्य आवंटित ठेकेदार काम बीच में छोड़कर चला गया था। अब दोबारा री-टेंडरिंग की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि अधिक क्षतिग्रस्त हिस्सों में तत्काल राहत देने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के माध्यम से जेसीबी लगाकर मार्ग दुरुस्त कराया जा रहा है। फिलहाल ग्रामीणों को अस्थायी राहत के बजाय सड़क के गुणवत्तापूर्ण और स्थायी सुधारीकरण का इंतजार है।

उत्तर रेलवे	
ई-निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / मुख्यालय / मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निमन टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमन्त्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केबल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।	
Tender No. Date	222-DRM-MB-26-27 dt. 19.10.2026
Name of Work	(BE-CH) TSR(P) - 46.653 km & (CH-ALN) TSR(P) - 13.080 km by using Contractor's own SQRS machine in the jurisdiction of Sr.DEN/HQ/MB
Tender Closing Date Time	16.11.2026
Advertised Value (Rs.)	98041124.22
Earnest Money (Rs.)	1960800.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	02.11.2026
Period of Completion	12 Month
पत्रांक सं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 19.10.2026	
राजकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3650/26	

फ्रेंच ओपन 2026: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन की वापसी पर नजरें, पहले दौर में कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों की नजरें खराब फॉर्म को पीछे छोड़कर दमदार वापसी करने पर होंगी। अनुभवी पीवी सिंधू और पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन सहित कई भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी आन से यंग से होगा, जबकि लक्ष्य सेन जापान के कोदाई नाराओका से भिड़ेंगे।

सिंधू के सामने आन से यंग की चुनौती – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल के पहले दौर में दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त आन से यंग के खिलाफ उतरेंगी। सिंधू पिछले सप्ताह डेनमार्क



ओपन में जर्मनी की यवोन ली से पहले दौर में हार गई थीं। ऐसे में फ्रेंच ओपन में वापसी के लिए उन्हें अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना



होगा। आन से यंग जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सिंधू के लिए शुरुआत से ही आक्रामक और संयमित खेल दिखाना जरूरी होगा।

चोट से उबरने के बाद लय हासिल करना चाहेंगे लक्ष्य सेन

पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन पहले दौर में जापान के कोदाई नाराओका से मुकाबला करेंगे। लक्ष्य पीठ की चोट से उबरने के बाद नाराओका को हराने और एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक दिलाने में सफल रहे थे। हालांकि, इसके बाद उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। फ्रेंच ओपन उनके लिए अपनी लय वापस हासिल करने और आगामी मुकाबलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने का अहम अवसर होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी की नजरें जीत के साथ वापसी पर

पुरुष युगल में भारत की प्रमुख जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेठ्टी फ्रेंच ओपन में मजबूत प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन के शुरुआती मुकाबले में उनका सामना फ्रांस के भाइयों क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव से होगा। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने वाली फ्रांसीसी जोड़ी को चुनौती देने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तालमेल पर विशेष ध्यान देना होगा।

किदांबी श्रीकांत और आयुष शेटी के बीच भारतीय मुकाबला

पुरुष एकल में भारत के किदांबी श्रीकांत का सामना पहले दौर में हमवतन आयुष शेठ्टी से होगा। इस मुकाबले में एक भारतीय खिलाड़ी का अगले दौर में पहुंचना तय है, जबकि दूसरे का सफर पहले दौर में समाप्त हो जाएगा। दोनों खिलाड़ियों के लिए यह मुकाबला अपनी क्षमता साबित करने और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का मौका होगा।

संक्षिप्त समाचार

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता

यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी



कोरिया (एजेंसी)। साउथ कोरिया की आन से-यौंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रिवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया। डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-यंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिगंज सुसी सुसानी (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। बीडब्ल्यूएफ के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। बीडब्ल्यूएफ ने 24 साल की एन सी-यंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया।

सी-यंग ने कहा- मैं और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ

जीत के बाद सी-यंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाया और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ, लेकिन एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हूँ।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।' दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है।

सिंघई मास्टर्स एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने रचा इतिहास, शंघाई मास्टर्स का खिताब जीता



शंघाई (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस खिलाड़ी एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने शानदार वापसी करते हुए अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीत लिया। उन्होंने हमवतन राफेल जोदार को हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। फोकिना एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और 1-6, 7-6 (5), 6-4 से जीत दर्ज कर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब हासिल किया।

एक सेट से पिछड़ने के बाद फोकिना की शानदार वापसी

27 वर्षीय फोकिना शंघाई के फिजिंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी परेना में खेले गए फाइनल में शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। वह पहला सेट 1-6 से हार गए और दूसरे सेट में भी 2-3 से पिछड़ रहे थे। हालांकि, उन्होंने मुकाबले में वापसी करते हुए दूसरा सेट टाईब्रेक में 7-6 (5) से जीता। इसके बाद निर्णायक सेट में 6-4 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

प्रज्ञान ओझा BCCI के चीफ सिलेक्टर बने

अजित अगरकर की जगह लेंगे; रमेश पोवार सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को अजित अगरकर की जगह बीसीसीआई का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है। वहीं, सिलेक्शन कमेटी में अजित अगरकर की जगह पर पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को शामिल किया गया है। अब पुरुष टीम की नई चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार हैं।



मिताली राज के साथ हुआ था विवाद

पोवार का सबसे चर्चित विवाद 2018 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।

अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे की कमेटी ने किया चयन

बीसीसीआई के मुताबिक, क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी में अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे शामिल थे। कमेटी ने बीसीसीआई मुख्यालय में आवेदनकर्ताओं की स्क्रीनिंग और इंटरव्यू किए। इसके बाद रमेश पोवार के नाम पर मुहर लगी।

रवि शास्त्री बोले- बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले एर दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए।

शास्त्री ने रविवार देर रात स्टार स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और टी20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें। बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव



क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट कीवियों के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की

न्यूजीलैंड दौरे पर गिल की कप्तानी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर सबसे ज्यादा ध्यान है। ऐसे में विदेशी दौरे पर टीम की कप्तानी को लेकर भी चर्चा हो रही है। शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ सीरीज में अपनी कप्तानी साबित की थी। यह विदेशी कप्तान के तौर पर उनका पहला दौरा था। गिल ने उस सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गिल सिर्फ डॉन ब्रैडमैन से पीछे हैं। ब्रैडमैन ने एक सीरीज में 810 रन बनाए थे। इसके बाद गिल ने अपने दूसरे विदेशी दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीती।

मुझे नहीं लगता कि उसे एक दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए और वनडे-टी20 में कभी-कभार उतरना चाहिए। उसे पूरी सीरीज या हर मैच नहीं खेलना चाहिए। मैं उसे टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखना चाहूंगा। यह बहुत जरूरी है। वह भारतीय टीम का अहम सदस्य है।

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बराबर किया मंधाना की कप्तानी में भारत की लगातार दूसरी जीत

पैरा एशियन गेम्स में 704 अंक लिए, भारतीय महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में नंबर-1 जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया; शेफाली की फिफ्टी, स्मृति ने नाबाद 47 रन बनाए

नईदिल्ली (एजेंसी)। बिना हाथ की तीरंदाज शीतल देवी ने नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में सोमवार को वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकि तुर्की की ओज्गुर गिडी के नाम था। 19 साल की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 720 में से 704 अंक हासिल किए। शीतल ने 72 तीरों में 57 बार परफेक्ट 10 लगाए। इनमें 32 शॉट लक्ष्य के सबसे अंदरूनी स्कोरिंग जोन में लगे। पेरिस पैरालिंपिक की कांस्य पदक विजेता शीतल ने पायल के साथ भारत को महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर पहुंचाया। भारत ने 1,379 अंक के साथ चीन को पीछे छोड़ा।



शीतल ने नया एशियन रिकॉर्ड बनाया – जम्मू-कश्मीर की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में लगभग हर शॉट पर सटीक निशाना लगाया। उनके 32 शॉट लक्ष्य के

शीतल ने पिछला एशियन रिकॉर्ड छह अंकों से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड 698 अंक का था। 704 अंक के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया। मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन शीतल ने अपना एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बेहतर किया। उन्होंने 2023 में हांगझोउ में 680 अंक बनाए थे। पायल 675 अंक के साथ 5वें नंबर पर रहें एशियन गेम्स में डेब्यू कर रही पायल ने भी महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 675 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। ओडिशा की चारों अंगों से दिव्यांग पायल इस साल अप्रैल में चर्चा में आई थीं। उन्होंने बैंकॉक में वर्ल्ड

आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड जीता था। उस मुकाबले में पायल ने शीतल को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब दोनों के प्रदर्शन ने भारत की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

शीतल और पायल के कुल 1,379 अंकों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा। चीन 1,338 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत के मजबूत क्वालिफिकेशन प्रदर्शन से टीम को सीधे सेमीफाइनल में जगह मिली। भारतीय जोड़ी अब 5वीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड और चौथी वरीयता वाले कजाकिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेंगी।

इसके बाद बाकी फॉर्मेट में उसका इस्तेमाल सीमित तौर पर होना चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में उसे हराना आसान नहीं है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को उस पर बढ़त हासिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, विदेशी दौरे पर एक युवा कप्तान के लिए यह अच्छा चैलेंज होगा।

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। रायपुर में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 102 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.5 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ओपनर शेफाली वर्मा ने 25 गेंद पर 55 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान स्मृति मंधाना 23 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहीं।

शेफाली ने टी-20 में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाए – शेफाली वर्मा ने 2026 में विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में 922 रन बनाए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने साउथ अफ्रीका की लोरा वोल्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इसी साल 824 रन बनाए।

